

## प्रधानमंत्री की सगिपुर और बरुनेई दारुस्सलाम यात्राएँ

### प्रलिस के लयः

[सेमीकंडकटर](#), [भारत का सेमीकंडकटर मशिन](#), [हरति हाइड्रोजन](#), [वैश्विक जैव ईधन गठबंधन](#), [आसयान-भारत वस्तु वयापार समझौता](#), [कूतरमि बुधधमितता](#), [वयापक आर्थिक सहयोग समझौता](#), [प्रत्यक्ष वदिशी नविश](#), [पूरवी एशया शखिर सममेलन](#)

### मेन्स के लयः

सगिपुर के साथ भारत के संबध, भारत के सामरिक हतौ के लयि बरुनेई का महत्त्व, एक्ट ईस्ट नीति, आसयान-भारत वयापक सामरिक साझेदारी

[स्रोत: हनिदुस्तान टाइम्स](#)

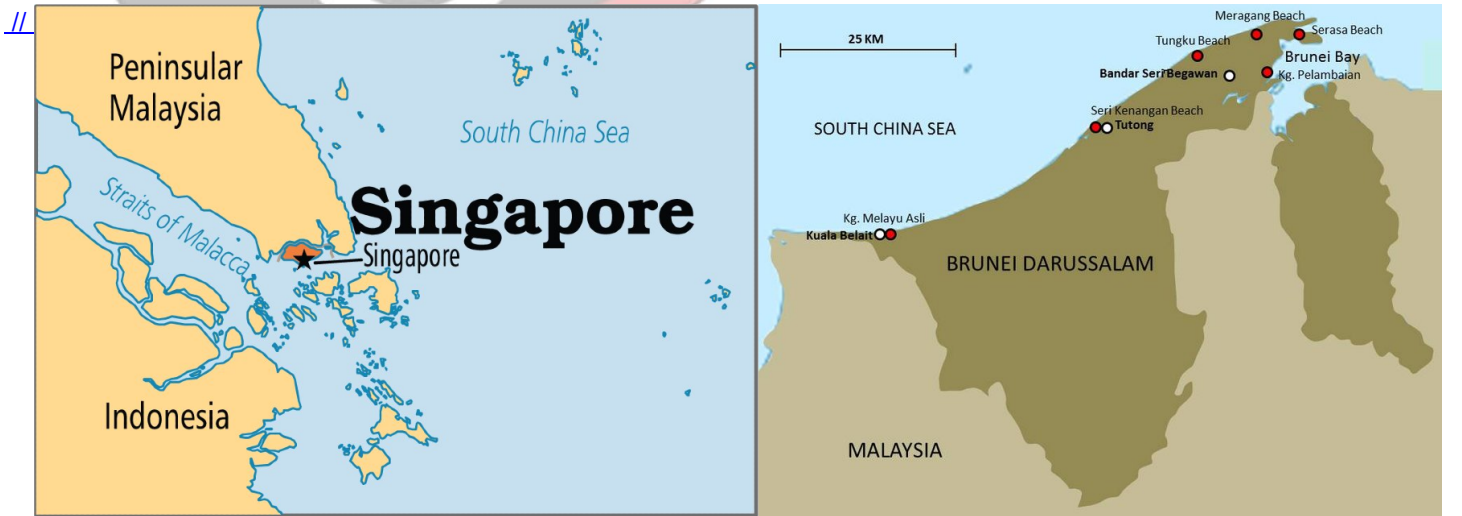
### चरचा में कयौं?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री की [बरुनेई दारुस्सलाम](#) और [सगिपुर](#) की यात्राओं ने दक्षिण पूरव एशया में भारत की कूटनीतिक तथा रणनीतिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण प्रगति को चहिनति कया है।

### सगिपुर और बरुनेई दारुस्सलाम के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

#### ■ बरुनेई दारुस्सलाम:

- **स्थान:** बोरनयो द्वीप के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। दक्षिण चीन सागर के साथ इसकी तटरेखा लगभग 161 किलोमीटर है। यह उत्तर में दक्षिण चीन सागर और बाकी सभी तरफ मलेशिया से घिरा हुआ है।
- **अर्थव्यवस्था:** राजस्व मुख्य रूप से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से उत्पन्न होता है तथा आर्थिक विविधीकरण के प्रयास कये जाते हैं।
  - दक्षिण-पूरव एशया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक, विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़ा तरलीकृत प्राकृतिक गैस उत्पादक।
- बरुनेई दारुस्सलाम के मुख्य नरियात में तीन प्रमुख वस्तुएँ शामिल हैं - कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और तरलीकृत प्राकृतिक गैस जो मुख्य रूप से जापान, अमेरिका तथा आसयान देशों को बेची जाती है।



## ■ सगिापुर:

- **भूगोल:** सगिापुर एक द्वीप राष्ट्र है, जिसमें एक मुख्य द्वीप (पुलाऊ उजोंग) और 62 छोटे द्वीप शामिल हैं। इसके पड़ोसियों में उत्तर में मलेशिया तथा दक्षिण में इंडोनेशिया शामिल हैं।
- **ऐतहासिक पृष्ठभूमि:** मूल रूप से तुमासिक के नाम से जाना जाने वाला यह द्वीप, जिसका अर्थ है "समुद्र", व्यापारियों के लिये एक प्रमुख पड़ाव था। 14वीं शताब्दी के दौरान तुमासिक ने अपना नया नाम "**सगिापुरा**" (जिसका अर्थ है "**लायन सिटी**") अर्जित किया।
  - सगिापुर आधिकारिक तौर पर वर्ष 1826 में ब्रिटिश शासन के अधीन आया। जापानियों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1942 में सगिापुर पर नियंत्रण कर लिया, लेकिन युद्ध हारने के बाद उन्होंने स्वामित्व वापस ब्रिटिशों को सौंप दिया।
  - वर्ष 1959 में सगिापुर स्वशासित हो गया, हालाँकि ब्रिटिश अभी भी देश की सेना को नियंत्रित करता था। देश को अंततः वर्ष 1965 में सगिापुर गणराज्य के रूप में पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
- **सरकार और अर्थव्यवस्था:** संसदीय गणराज्य। यह बैंकिंग और वननिर्माण में महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

## प्रधानमंत्री की बरुनेई दारुस्सलाम यात्रा के मुख्य परिणाम क्या थे?

- प्रधानमंत्री ने **बंदर सेरी बेगावान (Bandar Seri Begawan)** में प्रतिष्ठित उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद (Omar Ali Saifuddin Mosque) का दौरा किया, जो बरुनेई की इस्लामी वरिष्ठत का प्रतीक है और इसका नाम बरुनेई के 28वें सुल्तान के नाम पर रखा गया है।
- भारत ने इसरो के **टेलीमेट्री ट्रैकिंग और टेलीकमांड (Telemetry Tracking and Telecommand- TTC) स्टेशन** की मेजबानी में बरुनेई के सहयोग की सराहना की तथा नए समझौता ज्ञापन के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।
- दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेषकर **UNCLOS 1982** के अनुरूप **दक्षिण चीन सागर** में विवाद के शांतपूर्ण समाधान के महत्त्व को रेखांकित किया।
  - **आसियान-भारत वार्ता संबंध, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र** जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मज़बूत करने पर सहमति हुई।
- दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें भारत ने बरुनेई के प्रयासों का समर्थन किया, जिसमें **जलवायु परिवर्तन के लिये आसियान केंद्र की मेजबानी** भी शामिल है।
- इससे पूर्व भारत ने रूसी आपूर्ति के पक्ष में बरुनेई से अपने तेल आयात को कम कर दिया था। अब **तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)** में दीर्घकालिक सहयोग पर चर्चा शुरू की गई है।

## प्रधानमंत्री की सगिापुर यात्रा के मुख्य परिणाम क्या थे?

- **सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम भागीदारी:** एक लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला विकसित करने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए, जो द्विपक्षीय सहयोग के एक नए क्षेत्र को चिह्नित करता है। विभिन्न प्रौद्योगिकियों में सेमीकंडक्टर चिप्स के वैश्विक महत्त्व के कारण समझौता ज्ञापन का भू-रणनीतिक महत्त्व बहुत अधिक है।
  - सगिापुर का सेमीकंडक्टर उद्योग वर्ष 1970 के दशक से ही बढ़ रहा है, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर उत्पादन का लगभग **10%** और सेमीकंडक्टर उपकरण उत्पादन का **20%** हिस्सा है।
- **व्यापक रणनीतिक साझेदारी:** भारत और सगिापुर ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को '**व्यापक रणनीतिक साझेदारी**' के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा।
- **स्थायित्व में सहयोग:** दोनों देश **ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजनाओं** पर सहयोग करने के लिये तैयार हैं, इन पहलों का समर्थन करने हेतु एक रूपरेखा विकसित की जा रही है।
  - भारत ने सगिापुर की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करते हुए सगिापुर को **गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिये छूट देने पर सहमति जताई है।**
- **डिजिटल प्रौद्योगिकी:** डेटा, एआई और साइबर सुरक्षा में सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए हैं। **साइबर नीति वार्ता** की स्थापना तथा साइबर सुरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन के नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर है।
- **फनिटेक सहयोग:** भारत के यूपी.आई. और सगिापुर के पेनाउ और ट्रेडट्रस्ट पहल को कागज़ रहित लेनदेन को सुवर्धित बनाने एवं व्यापार दक्षता बढ़ाने में उनकी भूमिका के लिये मान्यता दी गई है।
- **सांस्कृतिक संबंध:** भारत ने तमिल संत तरिवल्लुवर की वरिष्ठत का उत्सव मनाते हुए **सगिापुर में तरिवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र** के आगामी उद्घाटन की भी घोषणा की।
  - सगिापुर में भारतीय समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए संस्कृत और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिये आपसी प्रतिबद्धता है।

## बरुनेई दारुस्सलाम और सगिापुर के साथ भारत के संबंध कैसे हैं?

- **बरुनेई दारुस्सलाम:**
  - **राजनीतिक संबंध:** भारत और बरुनेई दारुस्सलाम के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1984 में स्थापित हुए थे। दोनों राष्ट्र सांस्कृतिक संबंधों एवं संयुक्त राष्ट्र, **गुटनरिपेक आंदोलन, राष्ट्रमंडल और आसियान जैसे संगठनों** में सदस्यता के माध्यम से घनिष्ठ संबंध साझा करते हैं।
    - बरुनेई के सुल्तान, सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया, भारत-बरुनेई के घनिष्ठ संबंधों के प्रबल समर्थक हैं और उन्होंने भारत

की 'लुक ईस्ट' और 'एकट ईस्ट' नीतियों का समर्थन किया है।

- ब्रुनेई ने भारत की अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारी का भी समर्थन किया है और वर्ष 2012 से वर्ष 2015 तक आसियान देश समन्वयक के रूप में **भारत-आसियान संबंधों** को मज़बूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- **वाणज्यिक संबंध:** ब्रुनेई को भारत के मुख्य नरियात में ऑटोमोबाइल, परिवहन उपकरण, चावल और मसाले शामिल हैं। भारत ब्रुनेई से कच्चे तेल का एक प्रमुख आयातक है, जिसका **आयात प्रतिवर्ष लगभग 500-600 मिलियन अमरीकी डॉलर का है।**
- **भारतीय समुदाय:** ब्रुनेई दारुस्सलाम में भारतीय प्रवासी दशकों से निवास करते आ रहे हैं, 1930 के दशक में पहली बार यहाँ आए लोगों में से आधे से अधिक तेल और गैस, निर्माण एवं खुदरा जैसे उद्योगों में अर्द्ध व अकुशल श्रमिक थे।
- **सगिापुर:**
  - **ऐतहासिक संबंध:** एक सहस्राब्दी से भी अधिक समय से भारत और सगिापुर ने घनषिट सांस्कृतिक, वाणज्यिक तथा पारस्परिक संबंध बनाए रखे हैं।
    - आधुनिक संबंध **स्टैमफोर्ड रैफल्स** (ब्रिटिश ईस्ट इंडियन प्रशासक और बंदरगाह शहर सगिापुर के संस्थापक) द्वारा वर्ष 1819 में सगिापुर में एक व्यापारिक चौकी स्थापित करने से जुड़े हैं, जो बाद में वर्ष **1867 तक कोलकाता से शासित एक ब्रिटिश उपनिवेश** बन गया। वर्तमान संबंध तब शुरू हुए जब **स्टैमफोर्ड रैफल्स** (ब्रिटिश ईस्ट इंडियन प्रशासक और बंदरगाह शहर सगिापुर के संस्थापक) द्वारा **वर्ष 1819 में सगिापुर में एक व्यापारिक स्टेशन की स्थापना** की गई। तब से वर्ष 1867 तक इस द्वीप पर **कोलकाता से ब्रिटिश उपनिवेश का शासन** रहा।
    - भारत वर्ष 1965 में सगिापुर की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था।
  - **व्यापार और आर्थिक सहयोग:**
    - **व्यापार:** सगिापुर भारत का **छठा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार** है, जिसकी **भारत के कुल व्यापार में 3.2% हस्तिसेदारी** है।
    - **नविश:** वर्ष 2018-19 से सगिापुर भारत में **FDI** का सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा है, जिसमें शीर्ष क्षेत्र सेवाएँ, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर, व्यापार, दूरसंचार और ड्रग्स एवं फार्मास्यूटिकल्स हैं।
    - **फनिटेक:** सगिापुर में **RuPay कार्ड स्वीकृति** के लिये वाणज्यिक और तकनीकी व्यवस्था की गई है। **UPI-Paynow लकिज** एक ऐतहासिक क्रॉस-बॉर्डर फनिटेक विकास है।
      - **सगिापुर पहला देश** है जिसके साथ भारत ने यह **क्रॉस-बॉर्डर परसन-टू-परसन (P2P) भुगतान सुविधा** शुरू की है।
  - **वज्ज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग:** **ISRO** ने सगिापुर के कई उपग्रहों को लॉन्च किया है, जिसमें 2011 में सगिापुर का पहला स्वदेशी निर्मित **माइक्रो-सैटेलाइट भी शामिल है।**
  - **बहुपक्षीय सहयोग:** सगिापुर **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन** और **वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन** में शामिल हो गया है। ये दोनों **इंडियन ओशन रमि एसोसिएशन (IORA)** जैसे बहुपक्षीय समूहों का भी हस्तिसेदा हैं।
  - **भारतीय समुदाय:** सगिापुर के 3.9 मिलियन निवासियों में से लगभग 9.1% भारतीय हैं। तमिल सगिापुर की चार आधिकारिक भाषाओं में से एक है।

## सामरिक हतियों के लिये दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का क्या महत्त्व है?

- **एकट ईस्ट पॉलिसी:** प्रधानमंत्री की दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की यात्रा, भारत की व्यापक **एकट ईस्ट पॉलिसी** के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य **ASEAN देशों** के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की सामरिक उपस्थितिको बढ़ाना है।
  - भारत दक्षिण-पूर्व एशिया में अपने रक्षा संबंधों को सुदृढ़ कर रहा है, जिसका उदाहरण **फिलीपींस के साथ समझौते और वयितनाम व इंडोनेशिया जैसे अन्य देशों के साथ सहयोग** है।
- **भू-रणीतकिक स्थान:** दक्षिण-पूर्व एशिया हृदि-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ पर स्थित है, जो **मेरीटाइम सलिक रोड जैसे समुद्री व्यापार मार्गों का एक प्रमुख केंद्र** है। यह रणीतकिक स्थान **भारत के मुक्त, खुले और समावेशी हृदि-प्रशांत दृष्टिकोण** के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- **चीन का प्रतिकार:** चीन के साथ इस क्षेत्र की निकटता इसे चीन के बढ़ते प्रभाव का प्रतिकार करने के भारत के प्रयासों के लिये महत्त्वपूर्ण बनाती है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने से भारत को रणीतकिक बढ़त बनाए रखने और क्षेत्रीय स्थिरता का समर्थन करने में मदद मिलती है।
- **आर्थिक हति:** दक्षिण पूर्व एशिया वशिव की कुछ सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वयितनाम) का गढ़ है, यह क्षेत्र भारत के लिये पर्याप्त आर्थिक अवसर प्रस्तुत करता है।
  - भारत आसियान का प्रमुख व्यापार साझेदार रहा है। **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग** और **मेकांग-भारत आर्थिक गलियारा** जैसी प्रमुख परियोजनाएँ आर्थिक एकीकरण को और बढ़ाती हैं।
- **दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के समकष चुनौतियाँ:**
  - दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक नीतियों ने क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने और अपने व्यापार के लिये महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के भारत के प्रयासों को जटिल बना दिया है।
  - संबद्ध क्षेत्र से चीन की निकटता और आर्थिक शक्ति उसे स्वाभाविकतः लाभप्रद बनाती है, जिससे भारत के लिये दक्षिण-पूर्व एशिया में उसके प्रभुत्व की बराबरी करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।
  - दक्षिण-पूर्व एशिया के राजनीतिक परदृश्य की विविधता तथा **चीन के प्रभाव के प्रति देशों के अलग-अलग प्रकार के वरिध और एकजुटता** को देखते हुए भारत के लिये सभी के लिये एक जैसी रणीतकिक अपनाना मुश्किल हो जाता है।
  - हालाँकि भारत दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ संपर्क सुधारने पर काम कर रहा है, कति मौजूदा बुनियादी ढाँचा अभी भी अवकिसति है, जिससे व्यापार और लोगों के बीच संपर्क की सुविधा बाधित होती है।

## आगे की राह

- ई-कॉमर्स और फनिटेक में सहयोग को बढ़ावा देने के लिये भारत को **दक्षिण पूर्व एशिया के साथ डिजिटल कनेक्टिविटी** में सुधार करने की आवश्यकता है। भारत को अपनी **सूचना प्रौद्योगिकी (IT)** क्षमताओं का लाभ उठाकर सॉफ्टवेयर, IT सेवाओं और डिजिटल नवाचार में वशिषज्जता प्रदान करने हेतु इसे एक क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापति करना चाहिये।
- भारत को **आपूर्ता शृंखलाओं में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रति करना** चाहिये ताकि चीन पर निर्भरता कम हो, अधिकि आर्थकि लचीलापन और एकीकरण के लिये व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिये **क्षेत्रीय मूल्य शृंखलाओं** को बढ़ावा दिया जा सके।
- भारत को समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना चाहिये ताकि **समुद्री डकैती, अवैध मतस्यन और समुद्री आतंकवाद** जैसे सामान्य खतरों का समाधान किया जा सके।
- भारत संबद्ध क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सहयोग बढ़ाने के लिये चीन के BRI का मुकाबला करने के लिये **एक्समुद्री दक्षिण पूर्व एशिया-भारत आर्थकि गलियारा** विकसति करने पर विचार कर सकता है।

????? ???? ????:

**प्रश्न.** भारत-सगिापुर संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का रूप देने के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। विभिन्न क्षेत्रों में इसके अपेक्षति लाभ क्या होंगे?

**प्रश्न.** एकट ईस्ट नीतिके तहत आसयान देशों के साथ अपने संबंधों का वसितार करने में भारत के लिये रणनीतिक लाभ क्या हैं?

### UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

**प्रश्न.** नमिनलखिति देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. यू.एस.ए.

उपर्युक्त में से कौन-कौन आसयान (ए.एस.इ.ए.एन.) के 'मुक्त व्यापार भागीदारों' में से हैं?

- (a) केवल 1, 2, 4 और 5
- (b) केवल 3, 4, 5 और 6
- (c) केवल 1, 3, 4 और 5
- (d) केवल 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (c)

**प्रश्न.** 'रीजनल काम्प्रहिन्सवि इकोनॉमिक पार्टनरशिप (Regional Comprehensive Economic Partnership)' पद प्रायः समाचारों में देशों के एक समूह के मामलों के संदर्भ में आता है। देशों के उस समूह को क्या कहा जाता है? (2016)

- (a) जी-20
- (b) आसयान
- (c) एस.सी.ओ.
- (d) सार्क

उत्तर: (b)

??????:

**प्रश्न.** शीत युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय परदृश्य के संदर्भ में भारत की पूर्वोनमुखी नीतिके आर्थकि और सामरिक आयामों का मूल्यांकन कीजिये। (2016)

